मेरा छोटा सा संसार

मेरा छोटा सा संसार,
हरि आ जाओ एक बार ॥
*हरि आ जाओ, प्रभु आ जाओ।
*मेरी नईया, पार लगा जाओ।
*मेरी बिगड़ी, आ के बना जाओ।
भक्तों की, सुनो पुकार,
हरि आ जाओ एक बार,,,
मेरा छोटा सा संसार,,,,,,,,,

जब याद, तुम्हारी आती है।
रह रह के मुझे, तड़पाती है।
तन मन की, सुध बिसराती है।
दूँ तन मन धन, तुझ पे वार ॥,
हरि आ जाओ एक बार,,,
मेरा छोटा सा संसार,,,,,,,,,

लाखों को दर्श, दिखाया है।
प्रभु मुझको क्यों, तरसाया है।
ये कैसी तुम्हारी, माया है।
नित बहती है, असुवन धार ॥,
हरि आ जाओ एक बार,,,
मेरा छोटा सा संसार,,,,,,,,,

मुझको बिछुड़े, युग बीत गए।
क्यों रूठ मेरे, मन मीत गए।
मै हार गया, तुम जीत गए।
अब दर्शन, दो साकार ॥,
हरि आ जाओ एक बार,,,
मेरा छोटा सा संसार,,,,,,,,,

इस जग में, कौन हमारा है।
प्रभु तेरा ही, तो सहारा है।
तेरे भक्त ने, तुझे पुकारा है।
मेरी नईया, लगा दो पार ॥,
हरि आ जाओ एक बार,,,
मेरा छोटा सा संसार,,,,,,,,,

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19295/title/mera-chota-sa-sansar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |